7451

3000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

३000 रु.   Rs 3000

सत्यमेव जयते

भारत

तीन हज़ार रुपये   THREE THOUSAND RUPEES

REFUGEE RELIEF

बाजार मूल्य १,६२000

मु.शु. १२१५०=००
नगर निगम ३२४०=००
उपकर
उपकर
अतिरिक्त ६०७=५०
१६२०=००

: श्री :

:: विक्रय - विलेख :

यह विक्रय विलेख आज दिनांक ६ मार्च सन् १९८७ को श्रीमती रविप्रभा देवी पत्नि श्री सुभाषचन्दजी त्रिपाठी, उम्र लगभग ४० वर्ष, निवासी सी-२६, शिवाजी नगर, भोपाल (म०प्र०) (जिन्हे इस विक्रय विलेख में सुविधा से विक्रेता पक्ष, इस नाम से संबोधित किया जा रहा है, जिसमें इन्होंके निष्पादक, प्रशासक, मुखत्यार, असाइनीज एवं समस्त हितबंध उत्तराधिकारी भी सम्मिलित है) इस विक्रय विलेख के प्रथम पक्ष हैं तथा मेसर्स स्टेवेल होटल्स प्रा०लि० तर्फे श्री राजेन्द्र कुमार चड्डा मैनेजिंग डायरेक्टर, रजिस्टर्ड आफिस २, आर०के० पुरम कालोनी, ए०बी०रोड इन्दौर (म०प्र०) (जिन्हे इस विक्रय विलेख में सुविधा से क्रेता पक्ष, इस नाम से संबोधित किया जा रहा है। जिसमें इन्होंके निष्पादक, प्रशासक, मुखत्यार, असाइनीज एवं समस्त हितबंध उत्तराधिकारी भी सम्मिलित है) इस विक्रय विलेख के द्वितीय पक्ष हैं, के मध्य निम्नलिखित शर्तों एवं दायित्वों के अधीन लिखा जा रहा है :-

TA 847198

रविप्रभा त्रिपाठी

P/8

अविरत-----२

Rs. 3000

८८५९८

-5 MAR 1987

R. N. Jain
Stamp Vendor,
Dist. Court Compound,
INDORE 3890?

१. अनुक्रमांक (वार्षिक विक्रय का) — ८८५९८ से ८८६०२ 3-4-५८६
२. विक्रय का दिनांक — -5 MAR 1987
३. स्टाम्प का पूर्ण मूल्य (शब्दों में) — 3000) × ५ + 2000) + ५००) + ६०) × 2 = ९८६२०)
४. वास्तविक क्रेता का नाम, पिता का नाम तथा निवास स्थान।
५. यदि स्टाम्प किसी अन्य के लिये क्रय किया गया हो तो उस व्यक्ति का नाम पिता का नाम तथा निवास स्थान।
६. संव्यवहार के पक्षकारों के नाम एवं उनके पते।
७. संव्यवहार का प्रतिफल या मूल्य।
८. संव्यवहार का वर्णन जिस हेतु स्टाम्प क्रय किया गया है।
९. स्टाम्प क्रेता के हस्ताक्षर या अंगुठा निशानी।

मे. स्टैवेल होटल्स प्रा. लि. ...
2 आर. के. पुरम कॉलोनी ... (क्रेता)
द्वा. श्री राजेन्द्र कुमार ...
श्रीमती रवि प्रभा ... श्री कुमार चन्द्र त्रिपाठी
C-22 शिवाजी नगर भोपाल (विक्रेता)
बिक्री रु. ७,६२,०००/-

R. K. Chadha

स्टाम्प अधिनियम के अन्तर्गत मुद्रांक शुल्क	92940=00
नगर निगम अधिनियम के अन्तर्गत मुद्रांक शुल्क	2280=00
पंचायत अधिनियम के अन्तर्गत मुद्रांक शुल्क	9820=00
हस्तचिन्ह मुद्रांक शुल्क ... उपकर	606=40
	2=40
यो.	96820=00

उप पंजीयक
इन्दौर.

Book No. 48/96
Receipt No. P/8
Proved by ...
Date on which 22-5-97

3000Rs.

7160

यह कि इन्दौर नगर निगम सीमा में स्थित आर०के०पुरम कालोनी, इन्दौर पर स्थित प्लाट नंबर ७ (सात) जिसका विवरण एवं चतु:सीमा इस विक्रय विलेख में दिया गया है एवं जिसे एतद् पश्चात " विक्रय किया गया प्लाट नम्बर ७, आर०के०पुरम कालोनी, इन्दौर" सम्बोधित किया गया है। उक्त प्लाट के विक्रय का विवरण, शर्तें, उद्देश्य आदि लिपिबद्ध किये जाते है एवं विक्रेता, क्रेतागण, से प्रतिफल रूपये १६२०००) (अठारी रूपये एक लाख बासठ हजार सिर्फ) प्राप्त कर उपरोक्त प्लाट ७, आर०के०पुरम कालोनी, इन्दौर का स्वामित्व क्रेतागण के पक्ष में हस्तान्तरित किया जा रहा है।

(१) यह कि विक्रेता के मालकी एवं आधिपत्य का प्लाट नम्बर ७ आर०के०पुरम कालोनी, इन्दौर पर स्थित है। सदर प्लाट विक्रेता ने खुद की अर्जित आय से १५ जुलाई, १९७२ को श्रीमती रामदिती बाई धर्मपत्नि रायसाहेब लाला राधाकिशन कपूर, साकिन सी ६६, डिफेन्स

रवि प्रभा त्रिपाठी

Rs 3000

-5 MAR 1987

R. N. Jain
Stamp Vendor,
Dist. Court Compound,
INDORE

श्रीमति रविप्रभा पति सुभाषचन्द्र त्रिपाठी

MAR 1987

12.20

Ravi Prabha Tripathi

3000Rs.

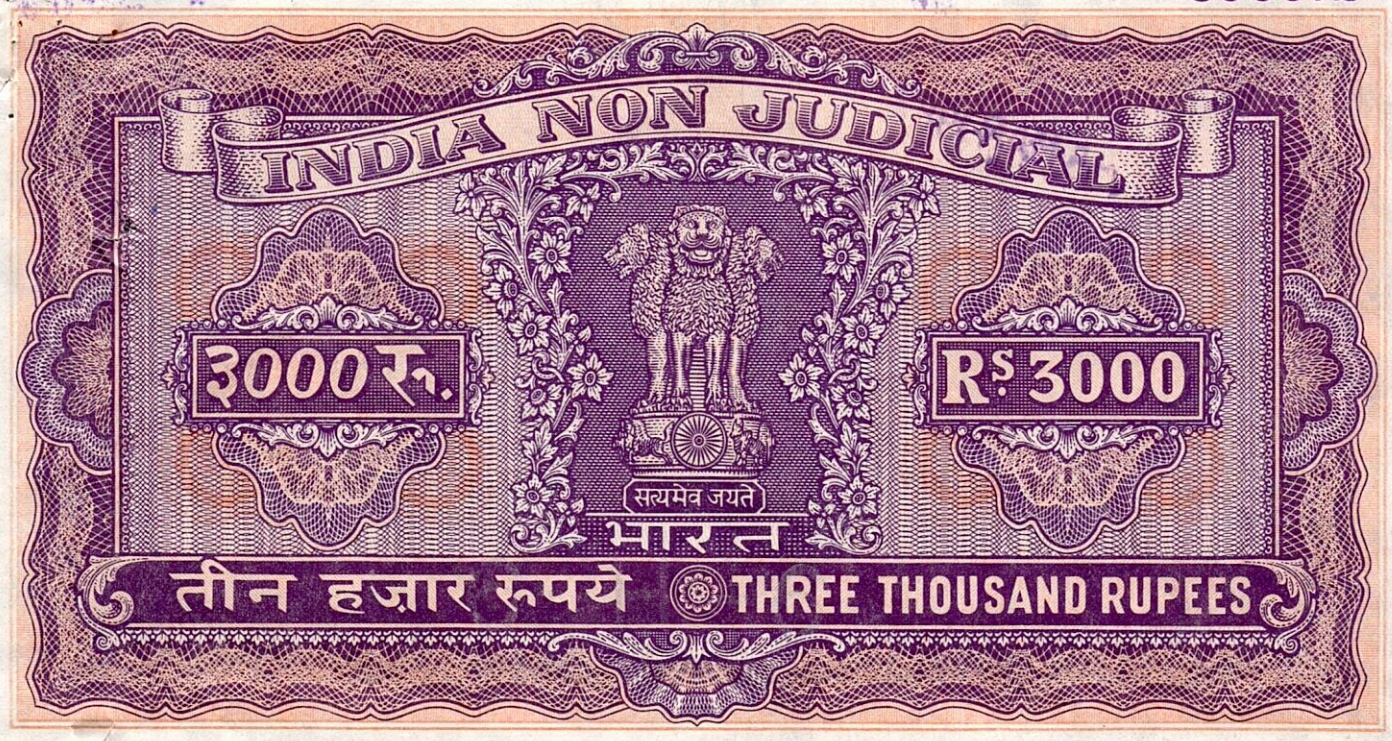

INDIA NON JUDICIAL

३००० रु.   Rs 3000

सत्यमेव जयते

भारत

तीन हज़ार रूपये   THREE THOUSAND RUPEES

7167

कालोनी, न्यू देहली की तरफ से आम मुख्त्यार लाला बालकिशन वल्द राय साहेब राधाकिशन कपूर, साकिन २३, अन्सारी रोड, दरियागंज, देहली से क्रय किया था। यह विक्रय विलेख दिनांक १० जुलाई, १९७२ को पुस्तक क्रमांक १३४ ग्रंथ क्रमांक २४७५ क्रमांक ४६४१ उप पंजीयक महोदय, इन्दौर के समक्ष पंजीकृत किया गया था।

(२) यह कि विक्रय किये जा रहे प्लाट का पूर्ण विवरण एवं चतु:सीमा निम्नानुसार है :-

विवरण :

विक्रेता के स्वामित्व एवं आधिपत्य का प्लाट नंबर ७, आर०के०पुरम कालोनी, इन्दौर पर स्थित है। सदर प्लाट की लम्बाई-चौड़ाई-

पूर्व को	: ४५ फुट
पश्चिम को	: ४५ फुट
उत्तर को	: ६० फुट
दक्षिण को	: ६० फुट

कुल रकबा २,७०० वर्गफुट है।

अविरत------४

६२३००

-5 MAR 1987

Rs 3000

[illegible] मूल्य के साथ [illegible]

R. N. Jain
Stamp Vendor,
Dist. Court Compound,
INDORE [illegible] 30009

श्रीमति रवि प्रभा पति सुभाष चन्द्र
त्रिपाठी निवासी - सी. २६
शिवाजी नगर भोपाल
को जिन्हे व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ।

स्वीकार करते हैं कि [illegible]
~~बिक्री~~ ...... विलेख का निष्पादन
किया गया था और प्रतिफल के
/आंशिक रु. ५०,००० रु. ५ पास
...... प्राप्त हो चुके
द्वारा केवल / ९,९२,०००/ रु. बैंक ड्राफ्ट नम्बर P.Q.W. 582260
[illegible] उपस्थिति में चुकाये गये दि. 7.3.87
और प्रतिफल की बकाया रकम पंजाब नेशनल बैंक शाखा -
[illegible] रु. .... बाद वही। मल्हारगंज इन्दौर।
[illegible] पंजीयक के समक्ष प्राप्त होगी
[illegible] .... [illegible]

3000Rs.

9/C2

चतु:सीमा :

पूर्व मे : प्लाट नम्बर २ व १ है ।
पश्चिम मे : सड़क है ।
उत्तर में : प्लाट नम्बर ६ है ।
दक्षिण मे : प्लाट नम्बर ८ है ।

उपर्युक्त विवरण व चतु:सीमा को स्पष्टत: दर्शाने वाला अर्थात विक्रय किया गया प्लाट नंबर ७, आर०के०पुरम कालोनी, इन्दौर संलग्न मानचित्र में लाल रेखाओं से अंकित है जो इस विक्रय विलेख का अभिन्न अंग है ।

(३) यह कि यह विलेख साक्षी है कि विक्रेता उक्त प्लाट नंबर ७, आर०के०पुरम कालोनी, इन्दौर को रूपये १६२०००) (अठारी रूपये एक लाख बासठ हजार सिर्फ) जो कि प्लाट का प्रतिफल है क्रेता को विक्रय कर रहा है । उक्त प्रतिफल की राशि में से बयाने की राशि रूपये ५०,०००) (अठारी रूपये पचास हजार मात्र) अनुबन्ध की दिनांक६-१०-८६ को ड्राफ्ट नम्बर पी०बी०वाय-३२२५७० पंजाब नेशनल बैंक मनोरमागंज , इन्दौर के व्दारा विक्रेता

रविशंकर त्रिपाठी

६८४०७

-5 MAR 1987

Rs 3000

R. N. Jain
Stamp Vendor,
Dist. Court Compound,
INDORE 36908

इसकी जाच पूर्वोक्त निष्पादक/अभिकर्ता
की शिनाख्त के विषय में की गई।
आज तारीख ....7 MAR 1987

उप-पंजीयक
इन्दौर (म०प्र०)

3000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

३000 रु.

Rs 3000

सत्यमेव जयते

भारत

तीन हज़ार रुपये THREE THOUSAND RUPEES

71C3

ने प्राप्त कर लिए हैं एवं प्रतिफल की बकाया राशि रुपये १,१२,०००) (अक्षरी रुपये एक लाख बारह हजार रुपये सिर्फ) आज दिनांक को बैंक ड्राफ्ट नंम्बर FQW-582260 दिनांक 7-3-87 पंजाब नेशनल बैंक, मनोरमागंज इन्दौर व्दारा प्राप्त कर लिये है।

(४) यह कि विक्रेता ने उपरोक्त प्लाट क्रेतागण के सिवाय किसी अन्य दीगर जगह गिरवी, बिक्री-अनुबन्ध किया हुआ नहीं है और न किसी को दान या बक्षीस में दिया है और न ही अन्य किसी प्रकार से अन्तरित ही किया हुआ है।

सदर प्लाट हर प्रकार के भार व बोझ से मुक्त है एवं सदर प्लाट विक्रेता ही स्वामित्व एवं आधिपत्य का होकर इसे विक्रय करने का पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

रविप्रभा त्रिपाठी

अविरत----६

८८६०२

3000

-5 MAR 1987

R. N. Jain
Stamp Vendor,
Dist. Court Compound,
INDORE

रवि प्रभा त्रिपाठी

श्रीमती रवी प्रभा त्रिपाठी

MAR 1987

साक्षी,

1.

2.

2000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२000रु. Rs 2000

सत्यमेव जयते
भारत

दो हज़ार रूपये TWO THOUSAND RUPEES

(५) यह कि सदर प्लाट की मालकी बाबद कोई भी वारिस या हक्कदार खड़ाहोकर आपसे दावा झगड़ा करेगा या आपके कब्जे में किसी प्रकार की हरकत लावेगा तो उसका मन विक्रेता अपने स्वयं के खर्चे से मनावेगे , आप क्रेतागण को किसी भी प्रकार का खर्चा या नुकसानी लगने देवेगें नहीं ।

(६) यह कि सदर प्लाट के बकाया टेक्सेस आदि आज दिनांक तक के विक्रेता अदा करेगी, आगे के लिये देने की जवाबदारी क्रेतागण की रहेगी । क्रेतागण ने सदर प्लाट पर संबंधित शासकीय व अर्द्ध शासकीय कार्यालियों मे अपना नामान्तरण करवा लेना । क्रेतागण नामान्तरण की कार्यवाही मे विक्रेता की सही, बयान की या जो भी मदद लगेगी, संबंधित विभागों मे उपस्थित होकर नामान्तरण कार्यवाही में सहयोग करने हेतु वचनबद्ध है ।

अविरत---७

62203

-5 MAR 1987

मुख्य पेज के साथ संलग्न

Rs. 2000

R. N. Jain
Stamp Vendor,
Dist. Court Compound,
INDORE 36308

500 Rs.

११८५

--७--

(७) यह कि ऊपर किरण दिये अनुसार सदर प्लाट का पूर्ण विक्रय मूल्य रुपये १,६२,०००) क्रेतागण से प्राप्त हो गया होने से विक्रेता यह स्वीकार व घोषित करती है कि अब विक्रेता को क्रेता से विक्रय मूल्य पेटे कुछ भी लेना शेष नहीं रहा है।

(८) यह कि सदर प्लाट का रिक्त मूर्तिमन्त आधिपत्य (कब्जा) मुफ विक्रेता व्दारा आप क्रेतागण को सौंप दिया है तथा उपरोक्त प्लाट को विक्रय कर देने से विक्रेता को उपरोक्त प्लाट पर जितने भी स्वत्व थे, वे सब हस्तांतरित होकर आप क्रेतागण में वेष्ठित हो गये हैं। अब क्रेतागण इसका उपयोग व उपभोग अपनी इच्छा अनुसार करते रहना, इसमे विक्रेता या उसके उत्तराधिकारियों को किसी भी प्रकार की आपत्ति करने का हक्क नहीं है तथा किसी भी प्रकार की आपत्ति करेंगे नहीं।

रवि प्रभात्रिपाठी

अविरत------८

Rs 500

-5 MAR 1987

R. N. Jain
Stamp Vendor,
Dist. Court Compound,
INDORE ☎ 36908

60 Rs.

साठ रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

६० रु.

60 RS.

SIXTY RUPEES

--८--

(९) यह कि विक्रेता ने दी अरबन लेण्ड सीलिंग एण्ड रेग्युलेशन एक्ट सन् १९७६ के या भारत के किसी भी प्रचलित विधान का या प्रावधान का कोई उल्लंघन नहीं किया है। सदर प्लाट को विक्रय करने हेतु सक्षम प्राधिकारी महोदय, इन्दौर से अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एन०ओ०सी० प्राप्त कर लिया है जिसका प्रकरण क्रमांक ४८९०।सी।१०। ८६-८७ है।

(१०) यह कि सदर प्लाट को विक्रय करने हेतु इन्कमटेक्स एक्ट १९६१ सेक्शन २३०(ए)(१) का सर्टिफिकेट भी विक्रेता ने प्राप्त कर लिया है।

(११) यह कि सदर बिक्रीकिये गये प्लाट के संबंध मे असल विक्रय लेख तथा अन्य प्रपत्र जो भी उसके पास थे, विक्रेता ने क्रेतागण को दे दिये है। यदि कोई दस्तावेज इस प्लाट के स्वामित्व संबंधी शेष हुए तो वे इस विक्रयलेख के व्दारा निरस्त एवं शून्य माने जावेगें।

अविरत------९

६८२०५

-5 MAR 1987

प्रथम पेज के साथ संलग्न Rs 60/00

R. N. Jain

Stamp Vendor,

Dist. Court Compound,

INDORE [illegible]

60 Rs.

साठ रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

६० रू. SIXTY RUPEES 60 Rs.

--६-- 7180

उपरोक्तानुसार यह विक्रय लेख विक्रेता ने अपनी पूर्ण स्वेच्छा से क्रेतागण के पक्ष में, बगैर किसी दबाव के, पूर्ण स्वस्थ मन:स्थिति मे प्लाट का पूर्ण प्रतिफल प्राप्त कर साक्षियों के समक्ष हस्ताक्षर करके निष्पादित किया ताकि सनद रहे।

इति शुभम्।

इन्दौर, दिनांक ६-३-१९८७

रविप्रभा त्रिपाठी
निष्पादक

साक्षीगण :-

१ ----[signature]----
चौरन प्रकाश गुप्ता
कलेक्टोरेट इन्दौर

२ ----[signature]----
किशोर कुमार सिंह
कलेक्टोरेट इन्दौर

श्रीमती रविप्रभादेवी पत्नि
श्री सुभाषचन्दजी त्रिपाठी
विक्रेता

::-::

६८३०३

-5 MAR 1987

Rs 60/00

प्रथम पेज के साथ संलग्न

R. N. Jain
Stamp Vendor,
Dist. Court Compound,
INDORE 36308

7 MAR 1987

[illegible] ...... [illegible] ......

100 ; को पुस्तक क्रमांक ...... [illegible]

[illegible] 10023 के ...... 78 [illegible]

3/1/20 ~~80122~~ क्रमांक 10829

[illegible] पंजीकृत किया गया।

[illegible]

[illegible]

पंजीयन शुल्क रु. 1441= पैसे 00

नकली शुल्क रु. ...... पैसे ......

पृष्ठांकन शुल्क रु. ...... पैसे ......

तुलना शुल्क रु. 5= पैसे 00

योग रु. 1446 पैसे 00

उप-पंजीयक, इन्दौर